

अक्षय ऊर्जा क्षमता में भारत को पाँचवा स्थान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी की गई वैश्विक स्थितिरिपोर्ट 2018 पर REN21 (Renewable Energy Policy Network for 21st century) के अनुसार भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (Renewable Power Capacity) में पाँचवे स्थान पर रहा।

महत्त्वपूर्ण बट्टि

- वैश्विक स्थितिरिपोर्ट (Global Status Report) 2018 के अनुसार, 2017 के अंत तक भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में (जलविद्युत सहित) 5वें स्थान पर जबकि जलविद्युत रहति में चौथे स्थान पर रहा।
- 2018-19 में ऊर्जा उत्पादन लगभग 81.15 बलियन यूनटि रहा (अक्टूबर 2018 तक) जसिमे सभी ऊर्जा उत्पादति स्रोत शामिल हैं।
- अक्षय ऊर्जा परियोजनाएँ ज्यादातर नजिी क्षेत्रों द्वारा लागू की जा रही हैं।
- अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा भारी मात्रा में सब्सिडी दी जा रही है।
- आंकड़ों के अनुसार 2015-18 तक गैर पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र के FDI में लगातार (लगभग 776.51-3217.43 मलियन डॉलर की) वृद्धि हुई है।
- इस साल की 'रनियूएबल्स 2018 ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट' (GSR) ने दो महत्त्वपूर्ण बातों को दर्शाया है:
- बजिली क्षेत्र में एक क्रांतिके रूप में अक्षय ऊर्जा भविष्य की दशिा में तेजी से बदलाव ला रही है।
- समग्र रूप में यह आवश्यकतानुसार साथ आगे नहीं बढ़ रही है
- 2016 तक नवीकरणीय ऊर्जा कुल वैश्विक अंतमि ऊर्जा खपत की अनुमानति 18.2% थी, जसिमें आधुनिकि नवीकरणीय ऊर्जा 10.4% थी।
- नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, देश में कुल 73.35 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापति की गई है। इसमें अक्टूबर 2018 में वडि से लगभग 35 GW, सोलर से 24 GW, समॉल हाइड्रो पावर से 4.5 GW और बायो-पावर से 9.5 GW ऊर्जा शामिल है।

स्रोत – इंडियन एक्सप्रेस, REN की वेबसाइट